अध्याय 5. प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

प्रश्न – भारत मे कितने प्रकार की पादप प्रजातियाँ पाई जाती है ?

उत्तर – भारत मे 47000 पादप प्रजातियाँ तथा 89000 जन्तु प्रजातियाँ पाई जाती है ।

प्रश्न – भारत का वनस्पति जगत मे विश्व मे कौन सा स्थान है ?

उत्तर – दसवाँ स्थान।

प्रश्न – वनस्पति क्या है ?

उत्तर – एक क्षेत्र विशेष मे उगने वाली प्राकृतिक पेड़–पौधे को वनस्पति कहते है ।

प्रश्न – अक्षत वनस्पति किसे कहते है ?

उत्तर – वनस्पति का वह भाग जो मनुष्य के सहायता के बिना अपने आप पैदा होता है और लंबे समय तक उस पर मानवी प्रभाव नही पडता इसे ही अक्षत वनस्पति कहते है ।

प्रश्न – देशज वनस्पति किसे कहते है ?

उत्तर – वह वनस्पति जो कि मूलरूप से भारतीय हो उसे देशज वनस्पति कहते है ।

प्रश्न – पादप और जंतु जगत की विपुल विविधता के जिम्मेदार घटक कौनकौन से है?

उत्तर – 1. भूभाग
2. मृदा
3. तापमान
4. वृष्टि
5. सूर्य का प्रकाश

प्रश्न – उस राज्य का नाम लिखे जिसमे वन आवरण अधिकतम है ?

उत्तर – अंडमान और निकोबार द्वीप समूह ।

प्रश्न – सन् 2001 मे वनो का कुल क्षेत्रफल भारत के क्षेत्रफल का कितना प्रतिशत था?

उत्तर – 20.55 प्रतिशत ।

प्रश्न – जीवोम किसे कहते है ?

उत्तर – धरातल पर एक विशिष्ट प्रकार की वनस्पति या प्रणी जीवन वाले विशाल पारिस्थितिक तंत्र को जीवोम कहते है ।

www.atpeducation.com

Downloaded from: http://www.atpeducation.com/cbse-download.php Email: atpeducations@gmail.com

प्रश्न – पारिस्थितिक तंत्र किसे कहते है ?

उत्तर – जब वनस्पति बदल जाती है तो प्राणी जीवन भी बदल जाती है । किसी भी क्षेत्र के पादप तथा प्राणी आपस मे तथा अपने भौतिक पर्यावरण से अंर्तसंबंधित होते है । इसे ही पारिस्थितिक तत्रि कहते है ।

प्रश्न – भारत मे कितने प्रकार की वनस्पतियाँ पाई जाती है ?

उत्तर – भारत मे निम्नलिखित प्रकार की वनस्पतियाँ पाई जाती है :–

1. उष्ण कटिबंधीय वर्षा वन
2. उष्ण कटिबंधीय पर्णपाती वन
3. उष्ण कटिबंधीय कटीले वन तथा झाडियाँ
4. पर्वतीय वन
5. मैग्रेव वन

प्रश्न – भारत मे हाथी कहाँ पर पाए जाते है ?

उत्तर – असम , कर्नाटक , और केरल ।

प्रश्न – भारतीय जीव सुरक्षा अधिनियम कब लागू किया गया ?

उत्तर – सन् 1972 ।

प्रश्न – पारिस्थितिक तंत्र के असंतुलन के क्या कारण है ?

उत्तर – पारिस्थितिक तंत्र के संतुलन का मुख्य कारण लालची व्यापारियो का अपने व्यवसाय के लिए अत्याधिक शिकार करना है । रासायनिक और औघोगिक अवशिष्ट तथा तेजाबी जमाव कारण प्रदूषण , विदेशी प्रजातियाँ का प्रवेश , कृषि तथा निवास के लिए वनो की अंधाधुन कटाई ।

प्रश्न – रबड़ का संबंध किस प्रकार की वनस्पति से है ?

उत्तर – उष्ण कटिबंधीय वर्षा वन ।

प्रश्न – उष्ण कटिबन्धीय वर्षा वनों की चार विशेषताएँ बताइए।

उत्तर – उष्ण कटिबन्धीय वर्षा वनों की चार विशेषताएँ निम्नलिखित है।

1. ये भारत में सार्वधिक वर्षा वाले वन है।
2. ये वन 200 सेमी और 100 सेमी के बीच वर्षा प्राप्त करने वाले क्षेत्र में विस्तृत है।
3. इन वनों के वृक्ष शुष्क गर्मी में लगभग छ : से आठ सप्ताह की अवधि में पत्ते गिरते है।
4. इन वनों में साल, सागौन पलास, अर्जुन, मोहन, पीपल, चंदन तथा बाँस के वृक्ष उगते है।

www.atpeducation.com

Downloaded from: http://www.atpeducation.com/cbse-download.php Email: atpeducations@gmail.com

प्रश्न – भारत के प्रमुख वनस्पति क्षेत्रो का वर्णन करो ?

अथवा

भारत के प्रमुख वनस्पतियों की उनके क्षेत्रों के आधार पर उनकी विशेषताएँ लिखिए |

उत्तर –

(1) **उष्ण कटिबंधीय वषै वाले वन** :–ये वन पश्चिमी घाटो वाले क्षेत्र लक्षद्वीप , अंडमान और निकोबार द्वीप समूह । असम के क्षेत्रो मे पाए जाते है । 200 सेमी से अधिक वर्षा वाले क्षेत्र मे ये वन पाए जाते है । इन वनो के वृक्ष 60 मीटर से अधिक लंबे होते है । यहाँ हर प्रकार की वनस्पति वृक्ष , झाड़ियाँ , पाई जाती है । इन वनो मे आबनूस , महोगनी , रोजवुड , रबड़ और सिकोना के वृक्ष पाए जाते है । इन वनो मे हाथी , बंदर , लँगूर , और हिरण आदि पाए जाते है ।

(2). **उष्ण कटिंबधीय पर्णपाती वन** :– ये भारत मे सबसे बडे क्षेत्र मे फले हुए वनल है । ये 70 सेमी से 200 सेमी वर्षा वाले क्षेत्र में पाए जाते है। इस वनों के वृक्ष शुष्क ग्रीष्म में अपने पत्ते गिरा देते हैं ।ये वन मध्य प्रदेश, छतिसगढ़, उडिसा, बिहार, झारखण्ड, महाराष्ट्र, केरल आदि राज्यों पाया जाता है। सागौन इन वनों की प्रमुख प्रजातियाँ है। इस वन में बाँस साल, शीशम, चंदन, अर्जून तथा शहतूत के वृक्ष व्यापारीक महत्व वाली प्रजातियाँ है। इन जंगलों में प्रायः सिंह सुअर हिरण और हाथी इत्यादि जानवर पाए जाते हैं ।

(3) **कँटीले वन तथा झाड़ियाँ** :– ये वन 70 सेमी से कम वर्षा वाले क्षेत्र मे उगते है । इन वनो मे कँटीले वृक्ष और झाड़ियाँ पाई जाती है । ये वन गुजरात , राजस्थान , छतीसगढ़ , उतर प्रदेश , मध्य प्रदेश और हरियाणा मे पाए जाते है । यहाँ पर अकासिया , खजूर , पाम , नागफनी आदि वृक्ष पाए जाते है । नागफनी यहाँ की प्रमुख पादप प्रजातियाँ है । इन जंगलो मे प्रायः चूहे , खरगोश , लोमडी , सिंह , जंगली गधे , घोडे तथा ऊँट पाए जाते है ।

(4) **पर्वतीय वन** :– ये वन और घासे 120 सेमी से अधिक वर्षा वाले प्राप्त करने वाली उतरी पर्वतीय क्षेत्र मे पाए जाते है । 1000 और 2000 मीटर तक की ऊँचाई वाले क्षेत्रो मे आर्द्र शीतोष्ण कटिबंधीय पाए जाते है । यहाँ एक लाख 1500 से 3000 मीटर के ऊँचाई के बीच शंकुधारी वृक्ष जैसे चीड़ , देवदार , सिल्वर , स्प्रूस सीडर आदि पाए जाते है । अधिक वनस्पति ऊँचाई वाले भागो मे माँस , लिचन घास , टुड्रा वनस्पति का भाग है । यहाँ प्रायः जंगली खरगोश , भेड़ , यो , आदि जानवर पाए जाते है ।

(5) **मैग्रोव वन** :– ये वनस्पति तटवतीय क्षेत्रो मे ज्वार भाटे आते है की सबसे महत्वपुर्ण वनस्पति है । मिट्टी और बालू इन तटो पर एकत्रित हो जाती है । घने मैग्रोव एक प्रकार की वनस्पति है जिसमे पौधे की जडे पानी मे डूबे रहती है । गंगा , महानदी , गोदावरी , कृष्णा तथा कावेरी नदियो के भाग मे यह वनस्पति मिलती है । गंगा ब्रहमपुत्र डेल्टा मे सुंदरी वृक्ष पाए जाते है । इस क्षेत्र का रायल बंगाल टाइगर , प्रसिद्ध जानवर है । इन वनो मे कछुए , मगरमच्छ , घड़ियाल , एवे कई प्रकार के साँप भी इन वनो मे पाए जाते है ।

Downloaded from: http://www.atpeducation.com/cbse-download.php Email: atpeducations@gmail.com

प्रश्न – जीव आरक्षित क्षेत्र किसे कहते है तथा इसका क्या महत्व है ?

उत्तर – जीव आरक्षित क्षेत्र एक विशाल जंगली भूमि को कहते है जिसमे विभिन्न जीव जंतुओ एवं वनस्पति को उनके प्राकृतिक रूप मे रखा जाता है । ऐसे जीव आरक्षित क्षेत्रो का अपना विशेष महत्व होता है ।

1. ऐसे क्षेत्रो मे विभिन्न जीव जंतु एवं वनस्पति को उनके प्राकृतिक रूप मे रखने का प्रयत्न किया जाता है ।
2. इनमे हाथी और गेंडा जैसे संकटापन्न वन जीव को सुरक्षा प्रदान की जाती है ।

प्रश्न – वनस्पति जगत और प्राणी जगत मे अंतर स्पष्ट करो ?

उत्तर – **वनस्पति जगत:** वनस्पति जगत मे वनो मे उगने वाले वृक्ष मनुष्य द्वारा उगाए गए फूलदार और बिना फूल वाले वृक्ष घास वाले क्षेत्र और झाडियाँ आदि सम्मिलित है । विश्व मे लगभग 49000 जातियो के पौधो मे से 5000 प्रजातियाँ केवल भारत मे पाई जाती है ।

प्राणी जगत: प्राणी जगत् मे पक्षी , मछिलयाँ , और पशु आदि शामिल है जिनमे स्तनीय पशु, रेगने वाले पशु , कीड़े–मकोड़े , जल और स्थल मे रहने वाले प्राणी शामिल है। भारत का पशु जगत् धनी तथा विभिन्न प्रकार का है । भारत मे पशुओ की लगभग 81000 जतियाँ है ।

प्रश्न – वनस्पति और जीवो की कुछ प्रजातियाँ संकटग्रस्त है , क्यो ?

उत्तर – जैसा कि ऊपर बताया गया है कि वनस्पति और जीवो की कुछ जातियाँ संकटग्रस्त है , जबकि कुछ बिल्कुल विलुप्त हो चुकी है । इन वनस्पति और जीवो की कुछ प्रजातियो

संकटगंस्त होने के कारण है , जो निम्नलिखित है :–

1. अपने स्वार्थ और लालच के कारण मानव ने अन्धाधुन्ध वृक्षो को काटना और वनस्पति को बर्बाद करना शुरू कर दिया ताकि वह अधिक सम्पन्न हो सके परन्तु उसके इस लालच ने वनस्पति की अनेक प्रजातियो को विलुपत बना दिया है जबकि अनेक अन्य

   को संकट के कगार पर लाकर खड़ा दिया है ।

2. इस प्रकार कई असामाजिक तत्वो और धन के ठेकेदारो ने विभिन्न प्रकार के जीव जंतुओ का उनकी खाल के लिए उनका अन्धाधुन्ध शिकार करना शुरू कर दिया ।

   इस प्रकार देखते है – जीव जंतुओ की अनेक प्रजातियाँ जैसे बाघ , चीते , और

   पक्षी आदि विलुप्त होने की स्थिति मे आ गए है ।

3. बढती हुई जनसंक्ष्या ने भी वनस्पति और अनेक जीव जंतु का विनाश करने मे कोई कसर नही छोडी ।

www.atpeducation.com

Downloaded from: http://www.atpeducation.com/cbse-download.php Email: atpeducations@gmail.com